भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद्

वर्ष 14 सं. 6

जून 2022

वानिकी समाचार

अनुक्रमणिका

	पृष्ठ सं.
क्षेत्रीय अनुसंधान सम्मेलन	01
आजादी का अमृत महोत्सव	02
महत्त्वपूर्ण अनुसंधान निष्कर्ष	05
परामर्श	05
कार्यशालाएं/सेमिनार/बैठकें	06
प्रशिक्षण कार्यक्रम	07
प्रदर्शनी में प्रतिभागिता	08
प्रकृति कार्यक्रम	08
समझौता ज्ञापन	08
जागरूकता एवं प्रदर्शन कार्यक्रम	08
आकाशवाणी/दूरदर्शन के माध्यम से प्रसार	09
राजभाषा गतिविधि	09
विविध	09
मानव संसाधन समाचार	09

क्षेत्रीय अनुसंधान सम्मेलन

- का.वि.प्रौ.सं., बेंगलुरु और व.आ.वृ.प्र.सं., कोयम्बत्तूर द्वारा 10 जून 2022 को संयुक्त रूप से आयोजित "कृषिवानिकी मुद्दों पर विशेष ध्यान के साथ भारत के दक्षिणी राज्यों में वानिकी अनुसंधान" पर क्षेत्रीय अनुसंधान सम्मेलन (आरआरसी) का आयोजन किया गया। वैज्ञानिकों, अधिकारियों, किसानों, विद्वानों और अन्य हितधारकों ने सम्मेलन में भाग लिया।
- शु.व.अ.सं., जोधपुर और उ.व.अ.सं., जबलपुर द्वारा 22 जून 2022 को संयुक्त रूप से आयोजित "शुष्क क्षेत्रों में कृषिवानिकी के विशेष संदर्भ में वानिकी अनुसंधान की स्थिति" पर क्षेत्रीय अनुसंधान सम्मेलन (आरआरसी) का आयोजन किया गया। वैज्ञानिकों, राजस्थान, गुजरात, दादर और नगर हवेली, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र के प्रतिभागियों, विषय विशेषज्ञों, गैर सरकारी संगठन, किसान तथा वन विभाग और तकनीकी अधिकारियों ने सम्मेलन में भाग लिया।
- हि.व.अ.सं., शिमला और व.अ.सं., देहरादून द्वारा 27 जून 2022 को संयुक्त रूप से आयोजित "भारत के उत्तरी क्षेत्र में वानिकी अनुसंधान और मुद्दों" पर क्षेत्रीय अनुसंधान सम्मेलन (आरआरसी) का आयोजन किया गया। महानिदेशक, उप महानिदेशक, भा.वा.अ.शि.प. और निदेशक तथा समूह समन्वयक अनुसंधान व.अ.सं., देहरादून, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पंजाब, जम्मू–कश्मीर, लद्दाख, दिल्ली और चंडीगढ़ केंद्र शासित प्रदेशों के राज्य वन विभाग के प्रतिनिधि, विश्वविद्यालयों के प्रोफेसर, गैर सरकारी संगठनों, वैज्ञानिकों, तकनीकी अधिकारियों, पंचायत प्रतिनिधियों, किसानों, आदिवासी लोगों और छात्रों ने सम्मेलन में भाग लिया।

शु.व.अ.सं., जोधपुर और उ.व.अ.सं., जबलपुर द्वारा संयुक्त रूप से क्षेत्रीय अनुसंधान सम्मेलन का आयोजन किया गया

हि.व.अ.सं., शिमला और व.अ.सं., देहरादून द्वारा संयुक्त रूप से क्षेत्रीय अनुसंधान सम्मेलन का आयोजन किया गया

आजादी का अमृत महोत्सव

- व.जै.सं., हैदराबाद द्वारा 2 जून 2022 को तेलंगाना स्थापना दिवस के अवसर पर एक व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया।
- भा.वा.अ.शि.प., देहरादून और उसके सभी संस्थानों तथा वन अनुसंधान केंद्र, प्रयागराज द्वारा 5 जून 2022 को "ऑनली वन अर्थ" विषय पर विश्व पर्यावरण दिवस 2022 मनाया गया, इस अवसर पर निम्नलिखित कार्यक्रम आयोजित किए गए:
  - व.अ.सं., देहरादून – भाषण प्रतियोगिता।
  - व.आ.वृ.प्र.सं., कोयम्बत्तूर – वृक्षारोपण कार्यक्रम।
  - का.वि.प्रौ.सं., बेंगलुरु – पोस्टर और भाषण प्रतियोगिता।
  - व.जै.सं., हैदराबाद – वृक्षारोपण कार्यक्रम।
  - शु.व.अ.सं., जोधपुर – मानव श्रृंखला, स्वच्छता अभियान तथा 'योग और पर्यावरण एक समन्वय कार्यक्रम'।
  - हि.व.अ.सं., शिमला – नारा लेखन निबंध, भाषण प्रतियोगिता और वृक्षारोपण कार्यक्रम।
  - व.व.अ.सं., जोरहाट – पौध वितरण, रोपण कार्यक्रम एवं चित्रकला प्रतियोगिता।
  - उ.व.अ.सं., जबलपुर – रद्दी कागज और चारकोल के पुनर्चक्रण और पत्तियों से प्लेट बनाने पर प्रशिक्षण।
  - व.उ.सं., रांची – ऑनली वन अर्थ पर वेबिनार।
  - तटीय पारिस्थितिकी तंत्र केंद्र, रांची – मंगमारी पेटा के पास वृक्षारोपण अभियान।
  - पारि–पुनर्स्थापर वन अनुसंधान केन्द्र, प्रयागराज – साइकिल रैली कर जागरूकता अभियान।
- हि.व.अ.सं., शिमला द्वारा 5 जून 2022 को "जलवायु परिवर्तन के कारण हिमालय के ग्लेशियरों के तेजी से पिघलने के प्रभाव" पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। डॉ मिलाप चंद शर्मा, प्रोफेसर जेएनयू, नई दिल्ली ने "जलवायु परिवर्तन के कारण हिमालय के ग्लेशियरों के तेजी से पिघलने के प्रभाव" पर ऑनलाइन व्याख्यान दिया।

विश्व पर्यावरण दिवस 2022

एफ.आर.सी–ई.आर., प्रयागराज द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया

व.अ.सं., देहरादून द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया

व.आ.वृ.प्र.सं., कोयम्बत्तूर द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया

व.जै.सं., हैदराबाद द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया

का.वि.प्रौ.सं., बेंगलुरु द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया

हि.व.अ.सं., शिमला द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया

व.व.अ.सं., जोरहाट द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया

उ.व.अ.सं., जबलपुर द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया

- व.अ.सं., देहरादून द्वारा 7 से 11 जून 2022 को "सगंध तेल, सुगंधशाला और सुगंध चिकित्सा" पर प्रशिक्षण सह कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विविध क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करने वाले भारत के विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिभागियों ने भाग लिया।

व.अ.सं., देहरादून द्वारा "सगंध तेल, सुगंधशाला और सुगंध चिकित्सा" पर प्रशिक्षण सह कार्यशाला का आयोजन किया गया

- व.आ.वृ.प्र.सं., कोयम्बत्तूर द्वारा 14 जून 2022 को "कृषिवानिकी पर विशेष महत्त्व के साथ वानिकी अनुसंधान प्राथमिकता" विषय पर हितधारकों के लिए एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

व.आ.वृ.प्र.सं., कोयम्बत्तूर द्वारा "कृषिवानिकी पर विशेष महत्त्व के साथ वानिकी अनुसंधान प्राथमिकता" पर कार्यशाला का आयोजन किया गया

- शु.व.अ.सं., जोधपुर द्वारा 14 जून 2022 को और व.अ.सं., देहरादून और पारि–पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केन्द्र, प्रयागराज द्वारा 17 जून 2022 को विश्व मरुस्थलीकरण और सूखा रोकथाम दिवस मनाया गया।

शु.व.अ.सं., जोधपुर द्वारा विश्व मरुस्थलीकरण और सूखा रोकथाम दिवस मनाया गया

- व.उ.सं., रांची द्वारा 15 जून 2022 को "कृषिवानिकी का महत्व और उपयुक्त प्रजातियाँ" विषय पर एक सेमिनार का आयोजन किया गया।
- व.आ.वृ.प्र.सं., कोयम्बत्तूर द्वारा 17 जून 2022 को "जनसंख्या आनुवंशिकी और वन आनुवंशिक संसाधन संरक्षण में इसका आशय" पर मासिक सेमिनार का आयोजन किया गया।

एफ.आर.सी–ई.आर., प्रयागराज द्वारा विश्व मरुस्थलीकरण और सूखा रोकथाम दिवस मनाया गया

व.अ.सं., देहरादून द्वारा विश्व मरुस्थलीकरण और सूखा रोकथाम दिवस मनाया गया

व.उ.सं., रांची ने "कृषिवानिकी का महत्व और उपयुक्त प्रजातियाँ" पर एक सेमिनार का आयोजन किया

- भा.वा.अ.शि.प., व.अ.सं., देहरादून, व.आ.वृ.प्र.सं., कोयम्बत्तूर, का.वि.प्रौ.सं., बेंगलुरु, व.उ.सं., रांची, व.जै.सं., हैदराबाद, उ.व.अ.सं., जबलपुर, व.व.अ.सं., जोरहाट, हि.व.अ.सं., शिमला और शु.व.अ.सं, जोधपुर द्वारा 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2022 मनाया गया।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2022

भा.वा.अ.शि.प., देहरादून द्वारा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2022 मनाया गया

व.अ.सं., देहरादून द्वारा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2022 मनाया गया

का.वि.प्रौ.सं., बेंगलुरु द्वारा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2022 मनाया गया

हि.व.अ.सं., शिमला द्वारा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2022 मनाया गया

शु.व.अ.सं., जोधपुर द्वारा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2022 मनाया गया

व.उ.सं., रांची द्वारा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2022 मनाया गया

व.आ.वृ.प्र.सं., कोयम्बत्तूर द्वारा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2022 मनाया गया

उ.व.अ.सं., जबलपुर द्वारा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2022 मनाया गया

- वन उत्पादकता संस्थान, रांची ने दिनांक 23 जून 2022 को लाह की खेती पर एक दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में किसानों, महिलाओं तथा युवाओं ने भाग लिया।
- का.वि.प्रौ.सं., बेंगलहुरु द्वारा 29 जून 2022 को "कर्नाटक के विभिन्न कृषि–जलवायु क्षेत्रों के लिए चारा प्रजातियों" पर एक वेबिनार का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में का.वि.प्रौ.सं. के कर्मचारियों और अनुसंधान कर्ताओं ने भाग लिया।

वन उत्पादकता संस्थान, रांची ने लाह की खेती पर प्रशिक्षण का आयोजन किया

महत्वपूर्ण अनुसंधान निष्कर्ष

वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून

- *पॉपुलस गैम्बली* की पत्तियों से डीएनए निष्कर्षण प्राप्त किया गया और यह देखा गया कि सीटीएबी + β–मेर्कैप्टोएथेनॉल (1μL) + पीवीपी (2%) वाले निष्कर्षण बफर ने *पी. गैम्बली* में डीएनए के निष्कर्षण में सर्वोत्तम परिणाम दिए क्योंकि यह आगे के आणविक विश्लेषण के लिए उपयुक्त, शुद्ध और उच्च गुणवक डीएनए की उपज देता है।
- ओईसीडी 423 दिशानिर्देशों का उपयोग करते हुए स्विस एल्बिनो चूहों पर 25% जलीय मेथनॉल का उपयोग करके *पुनिका ग्रेनेटम* के छिलके से पृथक सत्त की तीव्र विषाक्तता की जांच की गई और सत्त को जानवर के शरीर के भार के 2000 मिग्रा/किग्रा से कम गैर विषाक्त पाए गए और जीवे जैविक अध्ययन संचालन के लिए उपयुक्त पाया गया।

काष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, बेंगलुरू

वास्तविक और ईआरटी अंतःकाष्ठ डेटा का उपयोग करके एक रैखिक प्रतिक्रमण मॉडल विकसित करके चंदनकाष्ठ के लिए ईआरटी उपकरण का मानकीकरण किया गया। $R^2 = 0.95$ के साथ 90% की समानता प्राप्त की। 32 रोपणियों के लिए ईआरटी अंतःकाष्ठ डेटा और प्रतिरोध पैटर्न का ग्राफ तैयार किया गया।

वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयम्बत्तूर

- औषधीय पौधों यथा *राइटिया टिंक्टोरिया* (पत्ती), *सीसस क्वाड्रैंगुलरिस* (तना) और *सिनकोना ऑफिसिनैलिस* (छाल) पौधों के मेथनॉल सत्त की रोगाणुरोधी, एंटीऑक्सिडेंट, गैर प्रदाहक और एंटी अर्थराइटिस क्रिया के पात्रे मूल्यांकन से *सी.ऑफिसिनैलिस* की छाल मेथनॉल सत्त अधिक आशाजनक पाई गई और इसकी छाल में मौजूद सक्रिय तत्व एंटी अर्थराइटिस क्रिया के लिए प्रमाणित की गई। इस प्रकार, चिकित्सीय उत्पाद के विकास में *सी.ऑफिसिनैलिस* की छाल के सत्त का उपयोग किया जा सकता है।
- रामनाथपुरम, डिंडुगल, थूथुकुडी, तिरुनेलवेली, शिवगंगई जिलों से *एगल मार्मेलोस* के 16 उच्च फल उपज वाले सीपीटी की पहचान की गई, फल एकत्र किए गए, अंकुरण अध्ययन प्रस्तावित और संचालित किया गया। ट्री पासपोर्ट डेटा और फल/बीज प्राचलों में प्रलेखित विविधताएं रिकॉर्ड की गई।

वन उत्पादकता संस्थान, रांची

- *मीलिया डूबिया* की पहली बार ईटीपी रोपण तकनीक विकसित की गई। इससे चराई और अन्य जैविक कारणों से मीलिया वृक्षारोपण को सुरक्षा मिलेगी।
- आणविक लक्षण वर्णन और आनुवंशिक विविधता अध्ययन के लिए *बुक्नानिया कोचिनचिनेंसिस, मेलिना अर्बोरिया, डी. लैटिफोलिया* और *शोरिया रोबस्टा* का जीनोमिक डीएनए पृथक किया गया।

परामर्श

भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद्, देहरादून

इस अवधि के दौरान पंद्रह विभिन्न जारी वैज्ञानिक परामर्शी परियोजनाओं पर काम किया गया। 1 जून 2022 से 11 जून 2022 और 24 जून 2022 से 2 जुलाई 2022 तक क्रमशः लातेहार, झारखंड में चाकला कोयला खदान और एमसीएल, ओडिशा के लाजकुरा और बेलपहाड़ ओसीपी खदानों की सीआईएल खदानों के ईए–ईपीआईआर के संबंध में जैव विविधता संबंधी अध्ययनों से संबंधित कार्यों के लिए फील्ड डेटा संग्रह किया गया।

प्रस्तुत किए गए नए प्रस्ताव

- कुसमुंडा ओपन कास्ट कोयला खदान की पर्यावरणीय अंकेक्षण साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड लिमिटेड (एसईसीएल), कुसमुंडा क्षेत्र, कोरबा, छत्तीसगढ़ को प्रस्तुत की गई।
- लगभग 20,000 हेक्टेयर के क्षेत्र में 3 ऋतुओं के लिए एनएलसीआईएल की आठ इकाइयों (परिधीय क्षेत्रों में और इसके आसपास के माइन–एमआई, माइन–एमआईए, माइन–एमआईआई, टीपीएस–आईई, टीपीएस–आईआई, टीपीएस–आईआईई, एनएनटीपीएस, टीए की थर्मल इकाइयों) के लिए बोली दस्तावेज और कार्बन तटस्थता प्राप्त करने के उपायों का आकलन एनएलसीआईएल, नेवेली, कुड्डालोर (डीटी), तमिलनाडु को प्रस्तुत किया गया।

कार्यशाला/सेमिनार/बैठकें

क्र.सं.	विषय	तिथि	लाभार्थी
	वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून		
1.	"काष्ठ उत्पादन के लिए कृषिवानिकीः मुद्दे और चुनौतियां" विषय पर सेमिनार	10 जून 2022	वैज्ञानिक, अधिकारी, किसान, शोधार्थी और अन्य हितधारक
	वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयम्बत्तूर		
2.	ग्लू ग्रांट अनुसंधान एवं विकास परियोजनाओं पर समीक्षा बैठक	2 जून 2022	विभिन्न अनुसंधान संस्थानों के अनुसंधानकर्ता
	हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला		
3.	"वानिकी में जैव–कवकनाशी के अनुप्रयोगः उपागम और पद्धतियां" विषय पर सेमिनार	28 जून 2022	वैज्ञानिक, तकनीकी कर्मचारी और अनुसंधान कर्मचारी
	वन जैवविविधता संस्थान, हैदराबाद		
4.	"भारत में बौद्धिक संपदा अधिकार और पेटेंट कानून" पर सेमिनार	24 जून 2022	व.जै.सं. कर्मचारी
	वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट		
5.	तीसरा क्षेत्रीय अनुसंधान सम्मेलन	14 जून 2022	क्षेत्र के विभिन्न भागों के प्रतिभागी, शोधार्थी, वैज्ञानिक और संस्थान के प्रतिभागी।
6.	उच्च ऊंचाई वाली आर्द्रभूमि और उनकी संरक्षण कार्यनीतियों पर सेमिनार	27 जून 2022	सभी कर्मचारी और परियोजना कर्मचारी

हि.व.अ.सं., शिमला द्वारा "वानिकी में जैव–कवकनाशी के अनुप्रयोगः दृष्टिकोण और अभ्यास" विषय पर सेमिनार का आयोजन किया गया

व.व.अ.सं., जोरहाट द्वारा उच्च ऊंचाई वाली आर्द्रभूमियों और उनकी संरक्षण कार्यनीतियों पर सेमिनार का आयोजन किया गया

प्रशिक्षण कार्यक्रम

क्र.सं.	विषय	तिथि	लाभार्थी
	वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून		
1.	"आईपीआर के डोमेन को समझना: हितकारी परिप्रेक्ष्य"	4 जून 2022	व.अ.सं. (सम विश्वविद्यालय) के वैज्ञानिक, शोधार्थी और छात्र
2.	"पहाड़ी क्षेत्र के सुरक्षित एवं संवहनीय विकास के लिए आपदा और जलवायु परिवर्तन के मुद्दों को संबोधित करना"	22 से 24 जून 2022	राज्यों और अन्य हितधारकों के भा.व.से. अधिकारी।
	काष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, बेंगलुरू		
3.	"कर्नाटक के विभिन्न कृषि–जलवायु क्षेत्रों के लिए चारे की प्रजातियाँ"	29 जून 2022	वैज्ञानिक और अनुसंधानकर्ता
	हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला		
4.	वन पौधशाला, रोपणी और प्राकृतिक वनों में कीट पीड़क प्रबंधन	6 से 10 जून 2022	भा.व.से. अधिकारी
	वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट		
5.	पियोंग और पाथर गांव, नामसई, अरुणाचल प्रदेश में जिगत उत्पादन और अगरबत्ती बनाना।	16 से 17 जून 2022	ग्रामीणों हेतु
6.	"मेघालय के वनों में आक्रामक खरपतवारों का जैविक नियंत्रण।"	23 जून 2022	मेघालय के राज्य वन विभाग के वन क्षेत्र के पदाधिकारी

हि.व.अ.सं., शिमला द्वारा वन पौधशाला, रोपणी और प्राकृतिक वन में कीट पीड़क प्रबंधन पर प्रशिक्षण का आयोजन किया गया

व.व.अ.सं., जोरहाट द्वारा जिगत उत्पादन और अगरबत्ती बनाने पर कौशल विकास प्रशिक्षण का आयोजन किया गया

प्रदर्शनी में प्रतिभागिता

का.वि.प्रौ.सं., बेंगलुरु द्वारा नर्नबर्गमेसे इंडिया प्राइवेट लिमिटेड द्वारा 2 से 6 जून 2022 को अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनी केंद्र, बेंगलुरु में आयोजित भारतीय काष्ठ प्रदर्शनी 2022 में भाग लिया गया। प्रदर्शनी में निदेशक, समूह समन्वयक अनुसंधान, विस्तार अधिकारी, वैज्ञानिक एवं तकनीकी अधिकारियों और छात्रों ने भाग लिया।

समझौता ज्ञापन

जम्मू–कश्मीर केन्द्र शासित वन विभाग और हि.व.अ.सं., शिमला के बीच एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए।

प्रकृति कार्यक्रम

- हि.व.अ.सं., शिमला द्वारा 4 जून 2022 को वेस्टर्न हिमालयन टेम्परेट आर्बरेटम में "स्कूली बच्चों के लिए प्रकृति जागरूकता कार्यक्रम" का आयोजन किया गया। शिमला ब्लॉक के अंतर्गत राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बल्देयान, मशोबरा और टूटू के छात्रों और शिक्षकों सहित कुल 110 प्रतिभागियों ने भाग लिया। संस्थान के शोधार्थियों ने भी कार्यक्रम में भाग लिया।

हि.व.अ.सं., शिमला द्वारा "स्कूली बच्चों के लिए प्रकृति जागरूकता कार्यक्रम" का आयोजन किया गया

- व.आ.वृ.प्र.सं., कोयम्बत्तूर द्वारा स्कूल और कॉलेज के छात्रों के लिए पर्यावरण के प्रति जागरूकता पैदा करने और संरक्षण के लिए प्रकृति कार्यक्रम आयोजित किया गया। पचापलायम, पेरूर, कोयम्बत्तूर से काल्विथुनई संगठन के 5वीं से 12वीं कक्षा के 53 स्कूली छात्रों ने 10 जून 2022 को गैस वन संग्रहालय के शिक्षा केंद्र में "आनुवंशिक संसाधनों के संरक्षण" पर एक व्याख्यान में भाग लिया और एआरबी इंटरनेशनल स्कूल, पोलाची के 5वीं कक्षा के 89 छात्रों को "हमारे आस–पास के पौधों से औषधीय उत्पाद" पर ऑफ़लाइन माध्यम से व्याख्यान दिया गया।

व.आ.वृ.प्र.सं., कोयम्बत्तूर द्वारा पर्यावरण जागरूकता पैदा करने और संरक्षण के लिए प्रकृति कार्यक्रम आयोजित किया गया

- व.आ.वृ.प्र.सं., कोयम्बत्तूर द्वारा एकेआर अकादमी सीबीएसई, तिरुपुर के 9वीं और 10वीं कक्षा के 194 स्कूली छात्रों के लिए 11 जून 2022 को "अंतर्राष्ट्रीय लिंक्स दिवस" मनाया गया।
- व.आ.वृ.प्र.सं., कोयम्बत्तूर द्वारा 22 से 24 जून 2022 तक भारतीय विद्या भवन उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, आर.एस.पुरम, कोयम्बत्तूर के 5 छात्रों को शामिल करते हुए एक छात्र–वैज्ञानिक कार्यक्रम–2022 (एसएसपी–2022) आयोजित किया गया।
- व.आ.वृ.प्र.सं., कोयम्बत्तूर द्वारा 23 जून 2022 को जलवायु परिवर्तन एवं इसके अध्ययन में एलटीईएम भूखंडों के महत्व पर भारतीय विद्या भवन स्कूल के 11वीं कक्षा के छात्रों हेतु व्याख्यान का आयोजन किया गया।
- शु.व.अ.सं., जोधपुर द्वारा 28 जून 2022 को प्रकृति कार्यक्रम के अंतर्गत केंद्रीय विद्यालय, नागौर का दौरा किया गया। श्री एम. आर. गुर्जर, प्राचार्य, श्री छगन लाल, टीजीटी और श्री दीपा राम कंप्यूटर प्रशिक्षक के साथ एक बैठक हुई और उन्होंने प्रकृति कार्यक्रम के बारे में विचार–विमर्श किया। यात्रा के दौरान नौवीं और दसवीं कक्षा के 80 छात्रों को पर्यावरण जागरूकता पर एक व्याख्यान दिया गया। केंद्रीय विद्यालय के छात्रों और शिक्षकों को शु.व.अ.सं. के बारे में एक लघु वृत्तचित्र भी दिखाया गया।

जागरुकता और प्रदर्शन कार्यक्रम

- उ.व.अ.सं., जबलपुर द्वारा 5 जून 2022 को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर उ.व.अ.सं. कर्मचारी, केवी और डीपीएस स्कूलों के छात्रों के लिए चारकोल और पेपर प्लेट मेकिंग पर एक प्रदर्शन का आयोजन किया गया। उ.व.अ.सं. कर्मचारी तथा केवी और डीपीएस स्कूलों के छात्रों सहित कुल 30 प्रतिभागियों ने कार्यक्रम में भाग लिया।

- व.आ.वृ.प्र.सं., कोयम्बत्तूर द्वारा 17 जून 2022 को "विश्व मरुस्थलीकरण और सूखा रोकथाम दिवस" पर पीपीजी कॉलेज ऑफ ऑप्टोमेट्री के 31 छात्रों के लिए ऑफ़लाइन कार्यक्रम आयोजित किया गया।
- तमिलनाडु वन अकादमी, कोयम्बत्तूर के लगभग 43 रेंज वन अधिकारी प्रशिक्षुओं द्वारा 20 जून 2022 को प्रयोगशालाओं, पादप पौधशाला, काष्ठ कार्यशालाओं, जाइलेरियम, एडब्ल्यूटीसी और का.वि.प्रौ.सं., बेंगलुरु के संग्रहालय का दौरा किया गया।

आकाशवाणी/दूरदर्शन के माध्यम से वानिकी का प्रसार

दिनांक 29 जून 2022 को आकाशवाणी, डिब्रूगढ़ में बांस चारकोल पर आयोजित रेडियो वार्ता में डॉ. आर.डी. बरठाकुर, मुख्य तकनीकी अधिकारी, विस्तार प्रभाग, व.व.अ.सं., जोरहाट ने भाग लिया।

राजभाषा गतिविधि

- व.उ.सं., रांची द्वारा दिनांक 17 जून 2022 को "कृषि वानिकी व्यवस्था का वर्गीकरण" पर हिन्दी कार्यशाला का आयोजन किया गया। वैज्ञानिकों, मुख्य तकनीकी अधिकारियों एवं अनुसंधान कर्मचारियों ने कार्यशाला में भाग लिया।

व.उ.सं., रांची द्वारा "कृषि वानिकी व्यवस्था का वर्गीकरण" पर हिन्दी कार्यशाला का आयोजन किया गया

- हि.व.अ.सं., शिमला ने दिनांक 28 जून 2022 को राजभाषा हिन्दी का इतिहास, इसकी महत्ता, मासिक प्रगति रिपोर्ट एवं टिप्पण लेखन तथा केन्द्र सरकार के कार्यालयों में इसके कार्यान्वयन के बारे में कार्यशाला का आयोजन किया। संस्थान के अधिकारी, कर्मचारी एवं तकनीकी अधिकारियों ने कार्यशाला में भाग लिया।
- व.जै.सं., हैदराबाद ने दिनांक 28 जून 2022 को हिन्दी राजभाषा पर कार्यशाला का आयोजन किया।

विविधि

- हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला द्वारा दिनांक 29 जून 2022 को स्वच्छता अभियान कार्यक्रम का आयोजन किया गया।
- तटीय पारिस्थितिकी तंत्र केन्द्र (एफआरसीसीई), विशाखापत्तनम की टीम द्वारा एपिकोंडा समुद्र तट क्षेत्र में 142 ट्री मैंग्रोव और अन्य गौण पौधें रोपित किए गए।
- दिनांक 22 से 24 जून 2022 के दौरान भारतीय विद्या भवन मैट्रिकुलेशन हायर सेकेंडरी स्कूल, आर.एस. पुरम, कोयम्बत्तूर के विद्यार्थियों के साथ पौधों की प्रजातियों के संरक्षण में पादपालय और वनस्पति उद्यान के महत्व पर चर्चा की गई।

मानव संसाधन समाचार

पदोन्नति

अधिकारी का नाम	दिनांक
श्री विवेक गोयल, व.अ.सं., देहरादून	06.06.2022
श्री पी.सोनोवाल, व.व.अ.सं., जोरहाट	09.06.2022
श्रीमती दीपा कुमार, भा.वा.अ.शि.प., मुख्यालय	09.06.2022
श्री राजेश चंद शर्मा, भा.वा.अ.शि.प., मुख्यालय	10.06.2022
श्री वीर सिंह, व.अ.सं., देहरादून	10.06.2022

संप्रत्यावर्तन

अधिकारी का नाम	दिनांक
श्री अशोक कुमार, वन रेज अधिकारी, व.अ.सं., देहरादून	13.06.2022
डॉ. एस.एस. सामंत, निदेशक, हि.व.अ.सं., शिमला	17.06.2022
डॉ. आर.एस.सी. जयराज, भ.व.से. (एजीएमयूटी:87) निदेशक, व.व.अ.सं., जोरहाट	30.06.2022

सेवानिवृत्ति

अधिकारी का नाम	दिनांक
डॉ. आभा रानी, वैज्ञानिक–'एफ', व.जै.सं., हैदराबाद	30.06.2022
श्री दांडेश्वर दत्ता, वैज्ञानिक–'सी', व.व.अ.सं., जोरहाट	30.06.2022

त्यागपत्र

अधिकारी का नाम	दिनांक
डॉ. विनोद कुमार, वैज्ञानिक–'बी', व.जै.सं., हैदराबाद	24.06.2022

सरंक्षक:
श्री अरूण सिंह रावत, महानिदेशक, भा.वा.अ.शि.प., देहरादून

संपादक मंडल:
डॉ. सुधीर कुमार, उप महानिदेशक (विस्तार), अध्यक्ष
डॉ. गीता जोशी, सहायक महानिदेशक (मीडिया एवं विस्तार), मानद सम्पादक
श्री शंकर शर्मा, सहायक निदेशक, (राजभाषा), सदस्य

प्रत्याख्यान
- केवल निजी रूप से प्रसारण करने हेतु।
- वानिकी समाचार में प्रकाशित सामग्री, संपादक मंडल के विचारों को अनिवार्यतः प्रतिबिंबित नहीं करती हैं।
- यहाँ प्रकाशित सूचना के लिए किसी भी प्रकार के नुकसान की भरपाई के लिए भा.वा.अ.शि.प. उत्तरदायी नहीं होगा।